सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 12 • अंक 140 पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार 27 जून, 2026

स्कूल में हम सीखते हैं की गलती करना बुरा है और ऐसा करने पर हमे सजा मिलती है। फिर भी, अगर आप देखें कि मनुष्यों को कैसे सीखने के लिए डिजाईन किया गया है, तो पायेंगे कि हम गलतियां कर के सीखते हैं। -रॉबर्ट कियोसाकी

श्रेयस अय्यर की कप्तानी का निराशाजनक... 7 | कांग्रेस ने भाजपा पर फिर जारी... 3 | भाजपाई अहंकार के लंकाधिपति का... 2

पासपोर्ट का पासा... हेमंत बिस्वा को बचाने की कोशिश ?

सिर्फ टिकट काटने जैसी औपचारिकता नहीं है पासपोर्ट मामलों में

» सरकार की नई परिभाषा या कानून का नया खेल?

» असम चुनाव में कांग्रेस नेता खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पासपोर्ट एक ऐसा दस्तावेज है जिसे आम आदमी अपनी पहचान अपनी नागरिकता और अपनी विश्वसनीयता का सबसे बड़ा सरकारी प्रमाण मानता आया है। पासपोर्ट बैंक में चाहिए, पासपोर्ट नौकरी में चाहिए, विदेश जाना हो तो भी पासपोर्ट चाहिए, वीजा चाहिए हो तब भी पासपोर्ट चाहिए, अपनी पहचान साबित करनी हो तो पासपोर्ट चाहिए लेकिन अचानक सरकार बताती है कि पासपोर्ट तो महज एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट है।

इस जानकारी के बाद बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या देश के करोड़ों नागरिक इतने वर्षों से भ्रम में जी रहे थे और उससे भी बड़ा सवाल यह है कि यह बात हमे अभी क्यों बताई जा रही है। कुछ महीने पीछे जाईये तो पता चलता है कि पासपोर्ट के चलते असम के मुखिया हेमंत बिस्वा सरमा के परिवार पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने विस चुनाव से पहले गंभीर आरोप लगाकर उन्हें और बीजेपी को असहज स्थित में ला खड़ा कर दिया था। उसकी जांच चल रही है और सरकार को जल्द ही इस प्रकरण पर नई जानकारी साझा करने का दबाव है। जानकारों के मुताबिक विदेश मंत्रालय का यह बयान उसी दिशा में एक कदम हो सकता है ।

> "भारतीय पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं।"
>
> विदेश मंत्रालय

भारत में पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया केवल टिकट काटने जैसी औपचारिकता नहीं है। इसके लिए नागरिक को अपनी पहचान, पता, जन्मतिथि नागरिकता और अन्य जानकारियों की घोषणा करनी पड़ती है। गलत जानकारी देने या तथ्य छिपाने पर पासपोर्ट अधिनियम तथा अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई का प्रावधान है। इसलिए व्यवहारिक स्तर पर पासपोर्ट केवल यात्रा का साधन नहीं बल्कि सरकार द्वारा जारी एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहचान संबंधी दस्तावेज भी बन जाता है। इसी संदर्भ में उत्तर प्रदेश के चर्चित अब्दुल्ला आजम मामले की चर्चा होती है। दो पासपोर्ट से जुड़े आरोप में लंबे समय तक राजनीतिक और कानूनी विमर्श का विषय बने रहे। अदालतों में बहस हुई जांच हुई और मामला गंभीर माना गया। इससे यह धारणा मजबूत हुई कि एक से अधिक पासपोर्ट रखना या गलत जानकारी देकर पासपोर्ट प्राप्त करना साधारण प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि गंभीर कानूनी विषय है। दूसरी ओर असम की राजनीति में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर एक से अधिक पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इन आरोपों पर राजनीतिक बयानबाजी हुई और पूरा महौल गर्म हो गया। बस यही से एक नया प्रश्न जन्म लेता है। जब ऐसे आरोप सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा हों और उसी समय सरकार यह स्पष्ट करे कि पासपोर्ट केवल ट्रैवल डॉक्यूमेंट है तो विपक्ष और नागरिकों के मन में संदेह उठना स्वाभाविक है। यहां यह भी समझना जरूरी है कि ट्रैवल डॉक्यूमेंट और महत्वपूर्ण दस्तावेज दोनों बातें एक साथ सही नहीं हो सकती हैं।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक सिर्फ ट्रैवल डाक्यूमेंट है पासपोर्ट

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं। विदेश मंत्रालय के इस बयान के बाद देश की राजनीतिक में बमचक मच गयी है क्योंकि अभी तक आम धारणा यही रही है कि पासपोर्ट केवल भारतीय नागरिकों को ही जारी किया जाता है। मंत्रालय के बयान ने एक बड़े सार्वजनिक और राजनीतिक सवाल को जन्म दिया है कि यदि पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज है तो फिर उसके निर्माण उसके दुरुपयोग और विशेष रूप से एक से अधिक पासपोर्ट रखने के मामलों को कानून इतना गंभीर क्यों मानता है? यहीं से बहस शुरू होती है।

राजनीति में संयोग बहुत कम होते हैं

एक तरफ उत्तर प्रदेश में दो पासपोर्ट रखने के आरोप में आजम खां के बेटे विधायक अब्दुल्ला आजम को कई वर्षो तक जेल में रहना पड़ा और कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। पासपोर्ट का मुद्दा अदालतों में गंभीर अपराध के रूप में बहस का विषय बनता है। पासपोर्ट के नाम पर जांच के नाम पर डुप्लीकेसी के नाम पर फर्जी पासपोर्ट प्रकरण में न जाने कितने लोग जेलों में है और कितनों पर केस चल रहे हैं ऐसे में यहीं से शुरू होता है असली सवाल अगर पासपोर्ट केवल यात्रा का साधन है तो दो पासपोर्ट रखने पर इतनी सख्त धाराएं क्यों लगती हैं? अगर पासपोर्ट इतना सामान्य दस्तावेज है तो उसे गलत जानकारी देकर बनवाने पर मुकदमे क्यों दर्ज होते हैं? अगर यह केवल ट्रैवल डॉक्यूमेंट है तो अदालतें इसे पहचान नागरिकता और वैधानिक घोषणा के महत्वपूर्ण दस्तावेजों में क्यों गिनती रही हैं? क्या कानून बदल गया? क्या उसकी व्याख्या बदल गई? या फिर राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से शब्दों के अर्थ बदलने लगे हैं? हम किसी को दोषी घोषित नहीं कर रहे। हम किसी पर फैसला नहीं सुना रहे 4PM सिर्फ पाठकों के मन में उपजे सवाल उठा रहा है। सवाल उस व्यवस्था का है जिसमें एक ही दस्तावेज अलग-अलग परिस्थितियों में अलग अलग महत्व का दिखाई देने लगता है। आखिर पासपोर्ट सिर्फ ट्रैवल डॉक्यूमेंट है या फिर सुविधा के हिसाब से उसका महत्व तय किया जा रहा है?

भाजपाई अहंकार के लंकाधिपति का अंत जल्द

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चंपत राय के इस्तीफ़े पर भी भाजपा पर तीखा हमला बोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चंदा विवाद को लेकर फिर आक्रमका दिखाई है। सपा प्रमुख ने चंपत राय के इस्तीफ़े पर भी भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे भाजपा का लंकाकांड बताते हुए कहा कि अयोध्या में ही दानभक्तों का मुखौटा उतर गया है और प्रभु की अलौकिक शक्ति ने चमत्कार दिखाया है। यादव ने भाजपा के अहंकार और कथित चोरी को उजागर करते हुए लंकाधिपति के अंत की भविष्यवाणी की है।

राम मंदिर ट्रस्ट में महासचिव पद से चंपत राय के इस्तीफ़े और राम मंदिर चंदे से जुड़े विवाद की जांच के बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा।

एक्स पर एक पोस्ट में यादव ने कहा कि दानभक्तों का नकाब आखिरकार उतर गया है क्योंकि भगवान की दैवीय शक्ति ने अपना चमत्कार दिखाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का लंका कांड अयोध्या में ही होगा।

आखिर 'दानभक्तों' का मुखौटा उतर ही गया क्योंकि प्रभु की अलौकिक शक्ति ने अपना चमत्कार दिखा ही दिया। अब भाजपाइयों के अहंकार की चमचमाती लंका के साम्राज्य का भी अंत होगा और 'लंकाधिपति' का भी।

भाजपा के लिए तो काल बनकर आया है अमृतकाल

सपा नेता ने कहा कि भाजपा के लिए तो अमृतकाल काल बनकर आया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार तो कहती थी कि इसके राज में इस्तीफ़े नहीं होते हैं। 'चढ़ावा-चंदा-दान चोरी' से आहत जनता कटाक्ष करते हुए कह रही है कि भाजपाई कह रहे हैं कि हमने कहा था कि 'इस्तीफ़ा' नहीं होता, हमने इस्तीफ़ा नहीं 'त्यागपत्र' दिया है।

दरअसल अभी तो 'भाजपाई और उनके संगी-साथियों' के काले कारनामों, करतूतों और कारगुज़ारियों का ये प्रथम अध्याय खुला है। अखिलेश ने कहा कि बँटवारे की इस लड़ाई में अब इनकी 'पार्टी, संघ, सभा, परिषद, वाहिनी और ट्रस्ट की टोली' एक-दूसरे की पोल खोलेगी, इससे पहले कि ये लोग चोरी के माल से भरा अपना 'झोला-बोरा' लेकर इधर-उधर भागें, बार्डर बंद कर दिये जाएं। अभी तो शुरुआत है, अब तो केयर फ़ंड के साथ-साथ अनरजिस्टर्ड लोगों को अपने कुकृत्यों का हिसाब भी देना होगा। भगवान के ऑडिट से 'भाजपाई-गिरोह' बच नहीं पाएगा। नीट के छात्र कह रहे हैं कि जब इस्तीफ़े शुरू हो गए हैं तो 'लीकाधिपति' का भी करवा दीजिए।

सीसीटीवी का नाम 'चढ़ावा चोरी टीवी' रखना होगा

इसके साथ ही उन्होंने एक और एक्स पोस्ट में लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि सीसीटीवी का नाम 'चढ़ावा-चोरी टीवी' साबित होगा। जिन लोगों ने 'सत्रह' बार लूटा वो सैंकड़ों साल से इतिहास में बदनाम हैं, जिन्होंने केवल 40 दिन में 'सत्तर' बार लूटा वो तो इतिहास में इस महापाप के लिए 'सात' जन्मों के लिए काले अक्षरों में दर्ज़ हो जाएंगे। ये सोचा जाए जिन्होंने सात हफ़्ते में इतनी चोरी कर ली है, उन्होंने पिछले इतने सालों में कितना चुराया होगा, कितना आपस में बाँटा होगा, कितना चुपके से छुपाया-दबाया होगा और कितना अपने मुखिया तक पहुँचाया होगा। अखंड निंदनीय!

रावण तो यह भी हैं बस रूप बदल गए हैं : धीरेंद्र शास्त्री

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने टिप्पणी की है। इसमें शामिल लोगों को लेकर कहा, रावण तो यह भी हैं बस रूप बदल गए हैं, रावण न तो माता जानकी की चोरी थी, लेकिन राम मंदिर के दान पात्र में लाखों लोगों की श्रद्धा चोरी हुई है। उन्होंने आगे भावुक होते हुए कहा, इसमें करोड़ों लोगों का भरोसा चोरी हुआ है। उन्होंने आगे कहा, खबर मिली है कि मामले में एफआईआर हुई है। अभी और जांच हो और पकड़े जाएंगे। यह पक्का है और पकड़े जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, इतना कह सकते हैं कि रावण ने माता जानकी की चोरी की थी उसका परिणाम यह निकला कि सपरिवार सहित नास हुआ। ऐसे में करोड़ों लोगों ने राम को दान दिया। राम मंदिर के दान को जो चोरी करेगा पक्का है सरकारी दंड तो पाएगा ही वह भगवान का महादंड भी पाएगा। यह तो पक्का है उसे कोई छोड़ नहीं सकता।

विस चुनाव की तैयारी में जुटी बसपा

» आकाश आनंद की भूमिका नही है स्पष्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रत्याशी चयन की कवायद भी तेजी से जारी है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की भूमिका नहीं होने से कार्यकर्ताओं में पशोपेश की स्थिति है। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा भी आकाश की भूमिका को लेकर स्थिति साफ नहीं करने से भी असमंजस बना है।

पार्टी नेताओं के मुताबिक यूपी की सियासत में आकाश आनंद की गैरमौजूदगी से पार्टी को नुकसान हो सकता है। भले की आकाश ने कोई चुनाव नहीं लड़ा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद का मुकाबला करने के लिए बसपा को युवा चेहरे की जरूरत है। आकाश को लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी से बाहर करने के बाद जब वापस लिया गया था तो उन्हें यूपी और उत्तराखंड की राजनीति से दूर रखने का फैसला हुआ था। हिंदी पट्टी के दो प्रमुख राज्यों, जहां बसपा का खासा जनाधार भी रहा है आकाश को कोई जिम्मेदारी नहीं देना पार्टी के भविष्य पर असर डाल सकता है।

ब्राह्मणों को अपने पाले में करने की जुगत

दूसरी ओर ब्राह्मण कार्ड के जरिये यूपी में सरकार बनाने की कवायद में जुटी बसपा को बड़े ब्राह्मण नेताओं की दरकार है। अभी तक किसी भी दूसरे दल के कद्दावर ब्राह्मण नेता ने बसपा का दामन नहीं थामा है। पार्टी में शामिल होने वालों में अधिकतर मुस्लिम और ओबीसी नेता हैं। वर्ष 2007 में जब बसपा की सरकार बनी थी तब पार्टी में ब्राह्मण नेताओं की भरमार थी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के कुनबे के ही करीब एक दर्जन से अधिक लोग बसपा से जुड़े हुए थे, जिनमें से अब केवल सतीश मिश्रा ही बचे हैं। पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए जालौन की माधोगढ़ सीट से आशीष पांडेय को पहला प्रत्याशी घोषित कर ब्राह्मणों को लुभाने की कवायद भी की है। उन्होंने ब्राह्मणों को बड़ी संख्या में टिकट देने की घोषणा भी की है।

राजेंद्र पाल गौतम यूपी में भी नए प्रभारी नियुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए तीन राज्यों के लिए नए एआईसीसी प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी ने इन नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला किया है। नए प्रभारियों को संबंधित राज्यों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और आगामी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कांग्रेस की ओर से जारी सूची के अनुसार, संजय दत्त को हरियाणा का एआईसीसी प्रभारी बनाया गया है। वहीं, लालजी देसाई को ओडिशा और राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि नए प्रभारी राज्यों में संगठन को और प्रभावी बनाने का काम करेंगे। पार्टी लगातार विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी क्रम में नए प्रभारियों की नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन के जरिए राज्यों में पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को नई गति मिलेगी।

पिछले दरवाजे से दी गईं 25 हजार नौकरियां : महबूबा मुफ्ती

» पीडीपी अध्यक्ष बोलीं- पैसे लेकर नौकरी बाँट रही उमर सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने उमर अब्दुल्ला सरकार पर बहुत बड़ा आरोप लगाया है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में पिछले दरवाजे से 25 हजार लोगों की भर्ती की है।

महबूबा ने संवाददाताओं से कहा, नेकां सरकार के 25 महीनों के कार्यकाल में लगभग 25,हजार लोगों की भर्ती पिछले दरवाजे से की गई। मेरे पास इनके आदेश हैं लेकिन मैं उनकी पहचान उजागर नहीं करना चाहती, ताकि उनकी सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने कहा, ये सामान्य पद नहीं थे बल्कि जम्मू-कश्मीर के विभिन्न सरकारी विभागों में खाली पड़े पद थे, जिन्हें सरकार ने अपने मंत्रियों, विधायकों और गठबंधन सहयोगियों को दे दिया। मुझे लगता है कि इसमें भाजपा की भी हिस्सेदारी है, इसलिए वे चुप हैं और इस मुद्दे पर कोई हो-हल्ला नहीं कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीडीपी को इन नियुक्तियों को लेकर शिकायतें मिली थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने उम्मीदवारों से दो से तीन लाख रुपये लिए। महबूबा ने दावा किया, इसके लिए लगभग 200 निजी 'आउटसोर्सिंग एजेंसियों' का इस्तेमाल किया गया। कुछ समय के लिए एक वेबसाइट खुली रही, जहां उम्मीदवारों से आवेदन करने को कहा गया। जैसे ही वे आवेदन जमा करते थे, वेबसाइट बंद हो जाती थी। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने अपनी सूची 'आउटसोर्सिंग एजेंसियों' को दी, जिन्होंने भर्ती की प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने कहा, एक रमजान साहब हैं, एक आयुष साहब हैं। मैं उनके पदों का खुलासा नहीं करना चाहती। कई विभागों में ऐसे और भी लोग हैं, चाहे वे उनके पीआरओ हों या सचिव, जो विधायकों से सूची लेते थे और फिर उसे आउटसोर्सिंग एजेंसियों को दे दिया जाता था। महबूबा ने आरोप लगाया कि इस तरह की नियुक्तियां बिना किसी विज्ञापन के की गईं। उन्होंने इन नियुक्तियों को तुरंत बंद करने की मांग की।

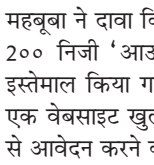

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सीएम रेवंत पर अधिकारियों में भरोसा कम : रेड्डी

तेलंगाना में एसआईआर पर बवाल, भाजपा ने बीआरएस-कांग्रेस पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध करने के लिए आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां मजलिस पार्टी के साथ मिलकर काम कर रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि इसे उनकी ही सरकार के अधिकारी चला रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर राज्य के अधिकारियों में भरोसा कम करने का भी आरोप लगाया।

रेड्डी ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया देश के कई राज्यों में शुरू हो गई है और

तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस के रुख पर निराशा जताई। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि देश के कई राज्यों में कल स्पेशल इंटेंसिव रिविजन-एसआईबार प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां एसआईआर के खिलाफ बयान दे रही हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे मजलिस पार्टी के साथ मिली हुई हैं।

रेड्डी ने कहा,मुख्यमंत्री खुद एसआईआर के खिलाफ बयान देते हैं, जबकि इसे उनका ही प्रशासन-जिसमें उनके कलेक्टर और तेलंगाना सरकार के तहसीलदार शामिल हैं। मुख्यमंत्री बार-बार तेलंगाना के अधिकारियों पर अविश्वास जताते हैं, जबकि यह उनकी ही सरकार और प्रशासन है।

वे मजलिस पार्टी के साथ बैठकें करते हैं और लोगों से नाम हटाने के खिलाफ विरोध करने को कहते हैं, साथ ही उन्हें सलाह देते हैं कि वे अधिकारियों को अपने मोहल्लों में न आने दें।

कांग्रेस ने भाजपा पर फिर जारी किया आक्रामक प्रहार

नीटऔर राममंदिर चोरी से लेकर कई मुद्दों पर तकरार

राफेल के नाम पर फिर भाजपा ने राहुल गांधी को घेरा

» **कांग्रेस बोली- एकजुट हों दल, असली लड़ाई हमें ही लड़नी होगी**

» **मोदीनॉमिक्स अमेरिका को खुश करना और चीन के सामने झुकना बन गया है : जयराम**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे यूपी, पंजाब समेत पांच राज्यों के चुनाव की दस्तक सुनाई दे रही है। कांग्रेस अपने तेवर पैने करती जा रही है। पार्टी ने अब हर मंच पर भाजपा की केंद्र सरकार से लेकर उसकी राज्य सरकारों को घेरना शुरू कर दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता चाहे राहुल हो या खरगे हर मुददे पर भाजपा सरकार को आक्रामक तरीके से हमला शुरू कर देते हैं। आजकल नीट, राममंदिर चढ़ावा मामले में जहां योगी सरकार व शिक्षामंत्री को निशाने पर ले रखा वहीं मप्र में सीएम मोहन के जमीन खरीद मामले में चारोतरफा हमला शुरू कर दिया।

इसी के साथ विदेश नीति व अर्थव्यवस्था पर भी प्रहार जारी है। इन सबके बीच भाजपा ने भी राहुल गांधी पर पलटवार करने में कोई कोताही नहीं बरती है। ऑपरेशन सिंदूर के समय राफेल मामले पर कांग्रेस नेता के बयान पर उनको घेरा है। देश भारत-अमेरिका और भारत-चीन व्यापार के आंकड़ों का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उनका दावा है कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष घटा है, जबकि चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ा है। उन्होंने इसे मोदीनॉमिक्स बताते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला बोला है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) घटा है, जबकि चीन के साथ व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) बढ़ गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मोदीनॉमिक्स का मतलब अमेरिका को खुश करना और चीन के सामने झुकना बन गया है।

कांग्रेस देशभर में चला रही अभियान

नीट यूजी की दोबारा परीक्षा और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए रमेश ने कहा कि कांग्रेस देशभर में एक अभियान चला रही है। इसके तहत राहुल गांधी ने कोटा में छात्रों से संवाद किया है और आगे प्रयागराज व पटना में भी कार्यक्रम होंगे। यह अभियान जुलाई के मध्य में दिल्ली में समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ नीट या सीबीएसई की गड़बड़ियों की बात नहीं कर रहे, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी समस्याओं को भी उठा रहे हैं। इनमें परीक्षाओं की विश्वसनीयता, शिक्षा में सरकारी निवेश और बढ़ती निजी करण की प्रवृत्ति शामिल है।

'कितने राफेल' बयान पर राहुल गांधी पर भाजपा बरसी

पाकिस्तान का ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमानों को मार गिराने का दावा झूठा साबित हुआ है। भारतीय वायुसेना के एक दस्तावेज से इसकी पोल खुली है। अब इस मुद्दे पर बीजेपी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है राफेल विमान को लेकर कांग्रेस नेता की ओर से की गई टिप्पणी को लेकर बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी से देश से माफी मांगने की मांग की है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी को पाकिस्तान की लाइन को आगे लेने के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तब उन्होंने पूछा गया था कि हिंदुस्तान के कितने राफेल गिरे थे। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने नींबू मिर्ची दिखाकर राफेल का मजाक उड़ाया। आईएएफ का मेंटिनेंस ऑर्डर यह साफ करता है कि भारत का एक भी राफेल नहीं गिरा था। अब सवाल उठता है कि जानबूझकर पाकिस्तान की लाइन को आगे ले जाना राहुल गांधी ने क्यों सही समझा। उन्होंने आगे कहा, यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने ऐसा किया हो। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब 26/11 का आतंकी हमले के बाद में पाकिस्तान पर हमला करने से भारतीय सेना को कांग्रेस ने रोका था। आज यह वापस से साबित होता है कि जब भारत और पाकिस्तान में से

चुनने की बात आती है तो वह पाकिस्तान की लाइन को आगे ले जाते हैं। जब चीन के समय में हिंदुस्तान के जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया था, तब राहुल गांधी ने कहा था कि भारत के जवान पीटे गए। इससे साफ होता है कि वह भारत विरोधी हैं और दुश्मनों के फायदे की बात करते हैं।

टेंडर से खुली पोल

बता दें, भारतीय वायुसेना ने एक सरकारी दस्तावेज जारी किया है, जिसमें यह साफ है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत का कोई राफेल फाइटर जेट नष्ट हुआ था। इंडिय एयरफोर्स ने फ्रांस की कंपनी दसाल्ट एविएयान और उससे जुड़े पार्टनर के लिए राफेल बेड़े के रखरखाव और संचालन सहायता से संबंधित एक आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) यानी टेंडर जारी किया है। दस्तावेज में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारतीय वायुसेना 36 राफेल लड़ाकू विमानों का संचालन कर रही है और इन विमानों के लिए पांच महीने की अवधि के लिए ब्रिज सपोर्ट की जरूरत है। दस्तावेज में यह भी जिक्र है कि प्रस्तावित ब्रिज सपोर्ट अनुबंध के दौरान सभी 36 रफाल विमानों के संचालन को ध्यान में रखते हुए उड़ान घंटों की गणना की गई है। डिफेंस एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर भारत के किसी राफेल विमान का नुकसान हुआ होता और वह बेड़े का हिस्सा नहीं रहता, तो ऐसी स्थिति में रखरखाव और उड़ान घंटों की योजना में विमानों की संख्या अलग दिखाई दे सकती थी।

जयराम रमेश ने पेश किया आंकड़ा

रमेश के मुताबिक, वर्ष 2025-26 में अमेरिका के साथ भारत का वस्तु व्यापार अधिशेष 34.4 अरब डॉलर रहा, जो 24-25 में 40.1 अरब डॉलर था। वहीं चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 112.2 अरब डॉलर पहुंच गया। इन आंकड़ों के आधार पर उन्होंने केंद्र सरकार की व्यापार नीति पर सवाल उठाए। कांग्रेस पिछले कुछ महीनों से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर लगातार सरकार की आलोचना कर रही है। फरवरी 2026 में दोनों देशों के बीच एक अंतरिम ढांचे पर सहमति बनने के बाद से विपक्ष इस मुद्दे को उठाता रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका का कहना है कि दोनों देशों के बीच समझौता अब लगभग तैयार है। दक्षिण

और मध्य एशियाई मामलों की अमेरिकी डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी बेथनी पौलोस मॉरिसन ने हाल ही में कहा कि भारत और अमेरिका ऐतिहासिक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। मॉरिसन के अनुसार, इस समझौते से भारतीय बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए और अधिक खुलेगा तथा दोनों देशों को इसका फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और भारत वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के लक्ष्य, यानी 'मिशन 500', को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

पीयूष गोयल और जेमिसन ग्रीर के बीच हुई थी अहम बैठक

नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के बीच अहम बैठक हुई। माना जा रहा है कि इस बैठक में अंतरिम व्यापार समझौते

को अंतिम रूप देने से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की गई। अब सबकी नजर इस बात पर है कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाला यह समझौता देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक हितों के लिए कितना फायदेमंद साबित होता है, और क्या विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब इसमें मिल पाएगा।

सीजेपी आंदोलन ने युवाओं की भावनाओं का सामने लाया

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को युवाओं की नाराजगी का परिणाम बताया है। हालांकि उन्होंने इस दौरान साफ कहा कि केवल आंदोलनों के भरोसे लोकतंत्र नहीं चल सकता और किसी भी मुद्दे को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी आखिरकार राजनीतिक दलों को ही उठानी पड़ती है। रमेश ने कहा कि सीजेपी को लेकर अलग-अलग तरह की बातें कही जा रही हैं। कुछ लोग इसे किसी डीप स्टेट की देन बताते हैं तो कुछ इसे युवाओं के गुस्से का नतीजा मानते हैं। लेकिन इसकी सच्चाई चाहे जो भी हो, इस आंदोलन ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा बटोरी और युवाओं की भावनाओं को सामने लाने का काम किया। यह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। आखिरकार लोकतंत्र में राजनीतिक दल और उनका संगठन ही अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए युवाओं की आवाज को आगे ले जाने का काम स्थापित राजनीतिक पार्टियों को करना होगा। रमेश ने कहा कि आंदोलनों की अपनी अहमियत होती है, लेकिन लोकतंत्र केवल आंदोलनों पर नहीं टिका रह सकता। उसे आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया और दलों की भूमिका जरूरी होती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

कागजों से कब बाहर आएगी कृषि की सुविधाएं

> कागजों में किसानों के लिए सरकारी सुविधाओं की कोई कमी नहीं? एमएसपी की सुविधाओं का प्रावधान है, लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। कुल मिलाकर अन्नदाता सुख-सुविधाओं से कोसों दूर हो चुका है। सब्सिडी वाली खाद उन्हें ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। किसानों के लिए ईमानदारी से कुछ करने की जरूरत है।

कृषि मंत्रालय कह रहा इसबार मानसून पिछड़ने से 11 राज्यों में सूखे जैसे आसार हैं। ऐसे में फसल का नुकसान होने की उम्मीद है। इससे महंगाई बढ़ेगी जो आम जन को संकट में फंसा सकती है। सरकार को कुछ उपाय करने होगें। धीरे-धीरे गर्मी बढ़ रही है। मानव से लेकर जानवर तक प्रकृति के इस कोप का भाजन बनेंगे। सबसे ज्यदा प्रभाव पेड़-पौधे, खेती किसानी पर पड़ेगा। कृषि पर वैसे ही संकट का बादल मंडराया हुआ है। अनचाही बारिश से उत्पन्न समस्याओं ने इस संकट को और गहरा दिया है। कागजों में किसानों के लिए सरकारी सुविधाओं की कोई कमी नहीं? एमएसपी की सुविधाओं का प्रावधान है, लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। कुल मिलाकर अन्नदाता सुख-सुविधाओं से कोसों दूर हो चुका है। सब्सिडी वाली खाद उन्हें ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। किसानों के लिए ईमानदारी से कुछ करने की जरूरत है। अगर याद हो तो इन्हीं दिनों में पिछले वर्ष भी तबाही वाली बारिश हुई थी। तब गनीमत ये थी फसल कट चुकी थी।

वैसे भी किसान कृषि को अब घाटे का सौदा मानने लगे हैं। सौ रुपए के आसपास डीजल का भाव है। कायदे से अनुमान लगाए तो किसानों की लागत का मूल्य भी फसलों से नहीं लौट पाता? यही वजह है कि खेती नित घाटे का सौदा बनती जा रही है। इसी कारण धीरे-धीरे किसानी से मोहभंग होने लगा है। मौजूदा बारिश से दूसरी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। नुकसान पर सरकारें बेशक सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत राहत देने का प्रयास करती हों। लेकिन लगातार बेमौसम बारिश के कारण किसानों का कर्ज और मुसीबतें बढ़ रही हैं। सरकारें, बेशक इस बारिश को कुदरती आपदा करार दें? पर, कड़वी सच्चाई वही है जो मौसम वैज्ञानिक बता रहे हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट इसे कुदरती आपदा नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन, पश्चिमी विक्षोम, अल-नीनो जैसी वायुमंडलीय परिस्थितियां ही बता रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से भारत में करीब 80 लाख हेक्टेयर फसलें तबाह हुई हैं। इससे देश का अन्नदाता लगातार कर्ज में डूबा है। कर्ज बढ़ने के बाद किसान आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर होते हैं? मौजूदा बारिश ने महाराष्ट्र में प्याज और आम की फसल को लगभग नष्ट किया है। जबकि, कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्या करने के आंकड़े वहां सर्वाधिक है। अनचाही बारिश रबी की फसलों पर कटाई के ऐन वक्त आफत बनकर टूटती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

अविजित पाठक

एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकार- जो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जाती-उसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं। कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गई परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीजें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ जवाब है 'नहीं'।

असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की जरूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर-जिम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है। सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम-आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने-समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज्यादा भाता है। जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालय-जो कि गहन सीखने-सिखाने की जगह होते हैं धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं।

वे सभी चीजें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थीं— जैसे कि भौतिकी और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासा; स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंद; कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहस; और खेल, संगीत व

थिएटर का रोमांच सब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार-बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग 'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता-पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां-बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है। असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों का सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्र यानी कोचिंग फैक्टरियां चोखा धंधा कर रहे हैं। दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं। वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुकाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता।

यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की जरूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है वह मुकाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी-कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं।

कमजोर मानसून का विकास दर पर असर

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

> कमजोर मानसून और सूखे की स्थिति कृषि, जल आपूर्ति और महंगाई के परिदृश्य पर चुनौतियां निर्मित करते हुए दिखाई देगी। इससे पहले वर्ष 2015 में भारत में अत्यधिक कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, उस समय मानसून सामान्य से लगभग 13 प्रतिशत कम था। इस वर्ष मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश अत्यधिक कम होगी। इतना ही नहीं, जलाशयों के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है।

आरबीआई द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर रहने से देश की कृषि और विकास दर पर असर पड़ सकता है। इस समय जून माह में समय से पीछे चल रहे मानसून ने खरीफ फसलों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी तक करीब 42 प्रतिशत बारिश कम होने से नकदी फसलें कपास और सोयाबीन बुवाई के आरंभिक दौर में पिछड़ गई हैं। ऐसे में कृषि तथा अर्थव्यवस्था के सामने अल-नीनो और कमजोर मानसून से सूखे की आशंका तथा महंगाई की चुनौतियां उभरकर दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2026 में भारत अल-नीनो से अत्यधिक प्रभावित होगा।

कमजोर मानसून और सूखे की स्थिति कृषि, जल आपूर्ति और महंगाई के परिदृश्य पर चुनौतियां निर्मित करते हुए दिखाई देगी। इससे पहले वर्ष 2015 में भारत में अत्यधिक कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, उस समय मानसून सामान्य से लगभग 13 प्रतिशत कम था। इस वर्ष मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश अत्यधिक कम होगी। इतना ही नहीं, जलाशयों के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। यह परिदृश्य भारत द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लक्षित विकास दर को बनाए रखने के लिए एक चुनौती दिखाई दे रहा है। नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 प्रतिशत सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं।

व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। मौजूदा परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। कमजोर मानसून और अल-नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा।

भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं, कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। इसलिए गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुवाई शुरू से ही कम रहने से देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार देश के कई हिस्सों में पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार ने 1 जून, 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ाए हैं।

इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह दी जा रही है, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही निर्णय ले सकें। इसके साथ-साथ किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से कृषि उत्पादन संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। कृषि मार्गदर्शन की पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद भी करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी।

बच्चों को सिखाएं ये बातें

आत्मनिर्भर बनाएं

स्वतंत्रता का महत्व समझना बहुत जरूरी है साथ ही कुछ चीजों में बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाना भी बहुत जरूरी है। अगर वो सक्षम हैं, तो उन्हें खुद से खाने दें। कई बार लाड के चक्कर में मां-बाप बच्चों के बड़े होने पर भी उन्हें बहुत ज्यादा पैंपर करते हैं, जो उनके लिए सही नहीं होता। यदि आप बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तो ऐसे में आप उन्हें खुद का काम करने दें। क्योंकि यदि आप उनका काम स्वयं करेंगे तो उन्हें इस चीज की आदत हो जाएगी और भविष्य में यह दिक्कत पैदा कर सकती है। उदाहरण के तौर पर कमरे की सफाई, समान का ध्यान रखना, अपने कपड़ों को खुद फोल्ड करके रखना आदि। अक्सर माताएं जब खाना बनाती हैं तो वे अपने बच्चे को रसोई में आने भी नहीं देतीं।

बड़ों का सम्मान करना सिखाएं

बच्चों को बाहर ही नहीं घर में भी बड़े- बुजुर्गों का सम्मान करना सिखाएं। बड़ों को मिलने पर उनके सामने अच्छा व्यवहार करें और उनकी बातें सुनें।

दूसरों का साथ देना

छोटे बच्चों को सिखाएं कि अगर वो इस काबिल हैं कि अपने आसपास के लोगों की मदद कर सके, तो कभी भी इसमें पीछे न हटें। इससे जो इमोशन डेवलप होता है, वो उन्हें आगे भी बहुत काम आता है। साथ ही वो टीम की तरह काम करना भी सिखते हैं।

हर कोई करेगा आपकी परवरिश की तारीफ

बच्चे समाज में कैसा व्यवहार करते हैं इसका पूरा श्रेय और दोष मां-बाप को ही दिया जाता है। कुछ गलत करते हैं तो लोग कहते हैं कि मां-बाप ने कुछ सिखाया ही नहीं और कई बार तो ये ताने बड़े होने के बाद भी सुनने को मिलते हैं। कुछ बातें बच्चों को बचपन में ही सिखाने की जरूरत होती है जो आपकी अच्छी परवरिश को दर्शाते हैं। बच्चे स्कूल, समाज में कैसा बर्ताव करते हैं, ये काफी हद तक आपके परवरिश की पोल खोलता है। बच्चे तो शैतानी करेंगे ही, लेकिन अगर बच्चा बत्तमीज है, तो इस चीज को बाहर वाले सबसे पहले नोटिस करते हैं। खैर इसे इग्नोर भी नहीं करना चाहिए क्योंकि बत्तमीजियों पर समय रहते लगाम लगाना जरूरी होता है। इग्नोर करने या लाड-प्यार के चक्कर में आप बच्चे का बहुत बड़ा नुकसान कर रहे होते हैं, ये जान लें। बहुत छोटी-छोटी चीजें हैं, जिनके बारे में बच्चों को बचपन से ही बताना चाहिए।

शेयरिंग इज केयरिंग

छोटे बच्चों को एक-दूसरे के साथ अपना सामान बांटने और उनके साथ मिल-जुलकर रहने की आदत सिखाएं। ऐसा करने से बच्चे दूसरे बच्चों के साथ खुश रहना सीखते हैं और उनमें भेदभाव की भावना भी नहीं आती। शेयरिंग की आदत बच्चों को दो साल की उम्र के बाद से सिखानी चाहिए। दो साल की उम्र के बाद वाले बच्चे ही किसी के साथ अपनी चीजों को बांटने के लिए तैयार होते हैं। चार-पांच साल की उम्र में शेयरिंग की यह आदत पूरी तरह से विकसित हो जाती है।

लोगों का अभिवादन करना सिखाएं

लोगों से मिलकर उनका अभिवादन करना अच्छा बिहेवियर माना जाता है, तो ये आदत अपने बच्चों में भी डालें। बच्चे जब लोगों का अभिवादन करना सीख जाते हैं, तो इससे उनकी पर्सनैलिटी में भी अच्छे बदलाव देखने को मिलते हैं। बड़ों से लेकर बच्चे तक उन्हें ज्यादा प्यार करते हैं।

हंसना मना है

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी, पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

पप्पू- क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते है, चप्पू- नहीं यार तुम ही बता दो, गप्पू- ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें।

गप्पू टीचर से- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू- सर चोर होते है! टीचर- वो कैसे? गप्पू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

टीचर- Date और तारीख में क्या अंतर है? सारी Class चुप, गप्पू- सर, Date में Girlfriend के साथ जाते है और तारीख में वकील के साथ, टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?

कहानी | अपने रूप, रंग या गुण पर घमंड ना करें

एक बार दांत और जीभ में भयंकर युद्ध छिड़ गया। दांत ने जीभ से कहा- अरे! तुम सिर्फ मांस के लोथड़े हो। तुममें तो कोई भी खुबी नहीं है। न ही तुम्हारा कोई रूप है और न ही कोई रंग। हमारे सभी दांत को देख रहे हो कैसे मोतियों की भांति चमक रहे हैं। जीभ बेचारी ने कुछ भी नहीं कहा और वह चुप रही। दांत फिर बोला, अरे, तुम चुप क्यों हो! हमसे डर रही हो क्या? हम हैं ही इतने सुंदर तुम हमसे जलोगी ही ना और हम हैं इतने मजबुत कि डर तो तुम्हें आयेगी ही... जीभ, बातों को अनसुना करते हुये चुप रही। दिन बीतते गये, देखते ही देखते कई माह और वर्ष बीत गये। अब उम्र के साथ-साथ, एक-एक दांत गिरते गये लेकिन जीभ वहीं ज्यों की त्यों बनी रही। अब कुछ बचे हुए दांत जब गिरने को हूये, तब जीभ ने दांत से कहा- भैया बहुत दिन पहले आपने मुझसे कुछ कहा था। आज उन सबका उत्तर दे रही हूं। इंसान के मुंह में आप सब दांत मुझसे बहूत बाद में आये हैं। मै तो जन्म के साथ ही पैदा हूई हूं। अब आयु में भी तुम मुझसे छोटे हो लेकिन छोटे होने के बावजुद भी एक-एक करके तुम सब मुझसे पहले विदा हो रहे हो! इसका कारण पता है? दांत ने विनम्र भाव से बोला- दीदी अब तक तो नहीं समझते थे पर अब बात समझ में आ गई। तुम कोमल और मुलायम हो और हम कठोर हैं। कठोर होने का दंड ही हमें मिला है। **शिक्षा**- मित्रों आप सब भी कोमल बनिये। कोमल से तात्पर्य है आपका व्यवहार रूखा न हो। आपके कार्य दुसरों को सुख ही प्रदान करें। जो इंसान जीभ के समान कोमल होता है, जिसकी वाणी मीठी होती है और जिसका व्यवहार कोमल तथा मिलनसार होता है उसे सभी पसंद करते हैं और उसे कभी भी कोई छोड़ना नहीं चाहता। अपने रूप रंग या किसी भी गुण के दम पर कभी भी घमंड ना करें। किसी का भी अनादर न करें चाहे कोई आपसे उम्र में छोटा हो या फिर बड़ा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

वृषभ

कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

सिंह

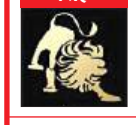

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे।

कन्या

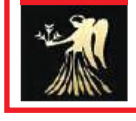

संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला

विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक

प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु-खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ

घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन

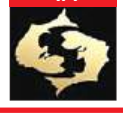

आज किसी से भी मजाक न करें, वर्ना मामला गड़बड़ हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

तलाक के बाद से रोमांस मिस कर रही हूं : ईशा देओल

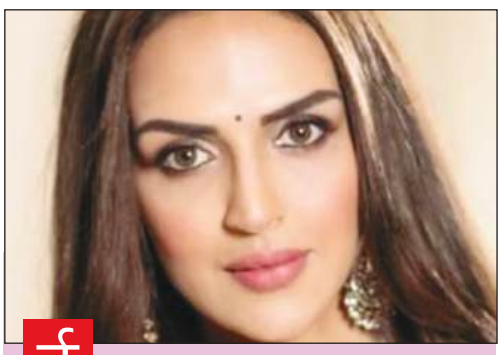

ईशा देओल ने बताया है कि अलग होने के बाद उनकी जिंदगी में 'प्यार और रोमांस' की कमी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें रोमांटिक होना बहुत पसंद है। कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में ईशा ने कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार और रोमांस किसी भी इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी होता है, और अभी मैं इसे मिस कर रही हूं। मुझे रोमांटिक होना बहुत पसंद है। मैं पूरी तरह से रोम-कॉम टाइप इंसान हूं। मुझे लव सॉन्ग्स और लव स्टोरीज बहुत पसंद हैं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या इस अलगाव के बाद उनके प्यार को देखने का नजरिया बदल गया है, तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ये चीजें नहीं बदलतीं। ब्रेकअप होते हैं। मेरे पहले भी बॉयफ्रेंड रहे हैं, जिनसे मेरा ब्रेकअप हुआ। ये सब जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन इससे मेरे प्यार को लेकर सोच नहीं बदलती। हम सबने हेमा जी और धर्मेंद्र जी के बीच का बिना शर्त वाला प्यार देखा है। ईशा ने यह भी बताया कि अलग होने के फैसले में उनका परिवार उनके साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा, 'ये बहुत पर्सनल बात है, जो दो लोगों के बीच होती है। हमारे जैसे प्रोफेशन में ये बातें पब्लिक में आ जाती हैं। मैं, भरत या उनका परिवार ऐसे मामलों में ज्यादा खुलकर बात करने वाले लोग नहीं हैं। उस समय हालात ऐसे थे और इसमें बच्चे भी शामिल हैं, इसलिए ये बहुत संवेदनशील समय होता है, जिसे बहुत संभलकर समझना पड़ता है।' ईशा देओल और भरत तख्तानी ने अपने अलग होने की वजह नहीं बताई, लेकिन एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि यह फैसला उन्होंने आपसी सहमति से लिया है। उन्होंने कहा था, 'हमने आपसी सहमति और समझदारी से अलग होने का फैसला किया है। इस बदलाव के दौरान हमारे दोनों बच्चों का भला हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। हम चाहते हैं कि हमारी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए। ईशा और भरत अपनी दो बेटियों राध्या और मिराया के माता-पिता हैं।

25 साल बाद एक-दूसरे के साथ काम करने वाले हैं सैफ और फरहान

डॉन 3 के विवाद के बीच फरहान अख्तर अब नई फिल्म लाने की तैयारी में हैं। इस बार वह अभिनेता रणवीर सिंह के साथ नहीं, बल्कि अभिनेता सैफ अली खान के साथ धमाल मचाने की प्लानिंग कर रहे हैं। दरअसल, दिल चाहता है मूवी के 25 साल बाद फरहान अख्तर, सैफ अली खान के साथ एक और थ्रिलर ड्रामा लाने की सोच रहे हैं। इस फिल्म को फरहान, रितेश सिधवानी के साथ प्रोड्यूस करेंगे।

वैरायटी इंडिया के मुताबिक, फरहान अख्तर और सैफ अली खान की फिल्म का टाइटल अभी डिसाइड नहीं हुआ है। यह अभी डेवलपमेंट फेज में है। अभी फिल्म के स्क्रीनप्ले पर काम किया जा रहा है। कहानी को रिवील नहीं किया गया है। इस साल के आखिर तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो सकती है। बात करें फिल्म की कहानी

की तो यह नॉर्मल सस्पेंस थ्रिलर नहीं होने वाली है। फिल्म सामाजिक मुद्दों को उठाएगी, जिसमें मनोवैज्ञानिक तनाव और इमोशनल ड्रामा का मेल होगा। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मुख्य किरदार को ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ेगा जो उसकी निजी मान्यताओं, नैतिकता और जीवन के मुश्किल फैसलों को चुनौती देंगी।

इस अनटाइटल्ड फिल्म में सैफ अली खान लीड रोल निभाने वाले हैं। फिलहाल हीरोइन की तलाश अभी जारी है जो सैफ के अपोजिट नजर आएंगी। डायरेक्टर को अभी फाइनलाइज नहीं किया गया है। इस फिल्म के जरिए सैफ और फरहान 25 साल बाद एक-दूसरे के साथ काम करने वाले हैं। फिलहाल, मेकर्स की तरफ से अभी इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सैफ ने भी इस फिल्म को लेकर कुछ नहीं कहा है। आखिरी बार उन्हें ओटीटी फिल्म कर्तव्य में देखा गया था।

फिल्म 'चौहान' लेकर आ रहे अजय देवगन

अजय देवगन अपनी एक एक्शन पैक्ड अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। दिग्गज एक्शन स्टार अब अपने फैन्स के सामने चौहान के रूप में एक नए और दमदार अवतार में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म फिल्म निर्माता आनंद एल राय के साथ उनकी पहली फिल्म है। फिल्म को जियो स्टूडियोज प्रड्यूस कर रहा है।

दिवंगत एक्शन डायरेक्टर वीरू देवगन की जयंती पर उन्हें याद करते हुए, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म में अजय देवगन का चौहान के रूप में पहला लुक जारी किया, जिससे ये साफ हो गया है कि फिल्म दमदार और एक्शन से भरपूर है।

इस अनाउंसमेंट वीडियो की शुरुआत एक उग्र प्रदर्शन की झलकियों से होती है, जिसके साथ दमदार डायलॉग बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है। इसमें कहा जा रहा है, चौराहे पर 300 लड़के थे, घर सिर्फ 270 पहुंचे। 30 लड़के कम हैं। इसके बाद अजय देवगन की आवाज

में कुछ लाइनें सुनाई देती हैं। अजय देवगन कहते हैं, गलती हमारी नहीं थी, ऑर्डर्स ऊपर से आए थे। ईंट का जवाब पत्थर से और सामने वाला सीधा पत्थर ही उठा ले तो जवाब क्या? आगे कहते हैं, टियर गैस मास्क आजकल ऑनलाइन बिकते हैं। पैलेट गन्स लिमिटेड डैमेज। 15 लाख फौजी और 35 हजार करोड़ का इनेस्टमेंट। उसके बाद भी पत्थर का जवाब नहीं। इसके बाद बैकग्राउंड में जुम्मा चुम्मा गाने के साथ अजय देवगन की एंट्री होती है। वो कहते हैं, जवाब आ रहा है, पठानों से कहना चौहान आ रहा है।

फिल्म के टाइटल की घोषणा के साथ ही फैंस के लिए एक और सरप्राइज भी है। बैकग्राउंड में बज रहे मशहूर गाने जुम्मा चुम्मा दे दे और अंत में बजने वाले दमदार डायलॉग, पठानों से कहना, चौहान आ रहा है के साथ, यह वीडियो एक असली मास एंटरटेनर वाले मसालों से भरपूर है। चौहान के साथ अजय देवगन एक बार फिर उसी दमदार एक्शन हीरो अवतार में लौट रहे हैं, जिसे दर्शक हमेशा से पसंद करते आए हैं।

जियो स्टूडियोज और कलर येलो द्वारा प्रस्तुत फिल्म चौहान का निर्देशन नीरज यादव ने किया है और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे, आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। यह फिल्म 1 अक्टूबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अजब-गजब | खाड़ी पहाड़ी पर आराम से दौड़ती है यह बकरी

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक बकरी

आप सोच रहे होंगे कि बकरी क्या खतरनाक हो सकती है? लेकिन मध्य एशिया की पहाड़ियों में एक ऐसी बकरी रहती है जिससे बड़े-बड़े शिकारी भी कांपते हैं। इसका नाम है मारखोर। इसे स्नेक ईटर या पहाड़ों का राजा भी कहा जाता है। इसके घुमावदार सींग और चट्टानों पर दौड़ने की क्षमता इसे दुनिया की सबसे अनोखी और खतरनाक बकरियों में शुमार करती है।

मारखोर मुख्य रूप से पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, भारत और उज्बेकिस्तान की ऊंची पहाड़ियों में पाया जाता है। यह 600 से 3600 मीटर की ऊंचाई तक रह सकता है। जिन खड़ी पहाड़ियों पर दूसरे जानवर फिसलकर गिर जाते हैं, वहां मारखोर आराम से भागता-दौड़ता है। इसके खुर खास तरह के होते हैं जो चट्टानों पर मजबूत पकड़ बनाते हैं। यह खड़ी दीवारों, संकरी लेज पर दौड़ सकता है और यहां तक कि पेड़ों पर भी चढ़ जाता है।

सबसे खतरनाक हथियार: घुमावदार सींग

मारखोर के नर के सींग 160 सेंटीमीटर (लगभग 5 फीट) तक लंबे हो सकते हैं। ये घुमावदार, कॉर्कस्क्रू की तरह होते हैं। ये सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि हथियार भी हैं। मादा-मादा या क्षेत्र के लिए लड़ाई में ये सींग घातक साबित होते हैं। एक जोरदार टक्कर में दूसरे जानवर के सिर या शरीर पर गहरी चोट

लग सकती है। यही वजह है कि स्नो लेपर्ड, वुल्फ और लिंक्स जैसे शिकारी भी वयस्क मारखोर से दूर रहते हैं।

मारखोर पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है। इसकी आबादी पहले काफी कम हो गई थी, लेकिन संरक्षण प्रयासों से अब यह IUCN की नियर थ्रेटेंड श्रेणी में है। सर्दियों में ये ऊंची चोटियों पर चढ़ जाता है और गर्मियों में जंगलों में उतर आता है। जब कोई खतरा महसूस होता है तो मारखोर अपनी अद्भुत चढ़ाई क्षमता का इस्तेमाल करता है। वो ऐसी जगहों पर चला जाता है जहां कोई पीछा नहीं कर सकता। यह खड़े पैरों पर खड़ा होकर ऊंची शाखाओं से पत्तियां खा सकता है। सर्दियों में भोजन की कमी होने पर भी यह पेड़ों की छाल तक खा लेता है।

नर मारखोर का वजन 110 किलो तक हो सकता है। वहीं इसकी लंबाई 1.8 मीटर तक हो सकती है। इसके चेहरे पर लंबी दाढ़ी होती है जो इसे राजसी लुक देती है। बाल लंबे और घने होते हैं जो ठंड से बचाते हैं। मादाएं थोड़ी छोटी और हल्के रंग की होती हैं। मारखोर का नाम फारसी भाषा से आया है, जिसका अर्थ सांप खाने वाला होता है। लोककथाओं में कहा जाता है कि यह सांपों का शिकार करता है। इसके सींगों की वजह से शिकारियों का निशाना बनता रहा है जिससे इसकी आबादी घट गई। मारखोर ऊंची चट्टानों पर इतनी तेजी से दौड़ता है कि देखने वाले हैरान रह जाते हैं। यह पत्ते खाकर अपनी जरूरत पूरी करता है और पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ये है भारत की सबसे खतरनाक जेल चारों तरफ सिर्फ समुद्र का पानी ही पानी

भारत में कई ऐसी जेलें हैं, जो अपनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए जानी जाती हैं। लेकिन एक ऐसी ऐतिहासिक जेल भी है, जिसके चारों ओर सिर्फ समुद्र का अथाह पानी फैला हुआ है। यहां से भाग निकलना किसी कैदी के लिए लगभग असंभव माना जाता है। यही वजह है कि इस जेल को भारत की सबसे खतरनाक जेलों में गिना जाता है। यह जेल आज भी अपनी भयावह कहानी और इतिहास के कारण लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में स्थित सेल्युलर जेल, जिसे 'काला पानी' के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण ब्रिटिश शासन ने वर्ष 1896 से 1906 के बीच कराया गया था। इस जेल को खासतौर पर उन भारतीय क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए बनाया गया था, जो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाते थे। जेल समुद्र के बीच स्थित होने के कारण कैदियों के लिए भागने का रास्ता लगभग बंद हो जाता था। अगर कोई कैदी किसी तरह जेल से निकल भी जाए, तो चारों तरफ फैले गहरे समुद्र, तेज धाराओं और समुद्री जीवों के बीच बचकर निकल पाना बेहद मुश्किल था। इस जेल की सबसे बड़ी खासियत इसकी अनोखी वास्तुकला थी। इसमें कुल सात शाखाएं बनाई गई थीं, जो एक केंद्रीय टावर से जुड़ी थीं। हर कैदी को अलग-अलग कोठरी में रखा जाता था ताकि वे एक-दूसरे से संपर्क न कर सकें और किसी तरह की योजना न बना सकें। जेल में कैदियों को कठोर श्रम कराया जाता था और नियम तोड़ने पर उन्हें बेहद सख्त सजा दी जाती थी। आजादी के बाद इस ऐतिहासिक जेल को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया गया था। आज भी यह स्थान देशभक्ति और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। हर साल हजारों पर्यटक यहां पहुंचकर उन वीरों को श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपनी जिंदगी कुर्बान कर दी थी। सेल्युलर जेल आज सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की अमर गाथा का जीवंत प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और त्याग की प्रेरणा देता रहेगा।

पश्चिम बंगाल में अंडे पर सियासी घमासान

टीएमसी व भाजपा ने एक-दूसरे पर दागे तीखे बयान

» टीएमसी नेताओं पर अंडे फेंकने के बाद बीजेपी सरकार ने मीड डे मील से हटाया अंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में अंडे को लेकर घमासान रूक नहीं रहा है। अभी चुनाव परिणाम आने के बाद पूरे राज्य में टीएमसी नेताओं पर अंडे फेंके गए थे, और पार्टी में उत्तराधिकार की बढ़ती लड़ाई अब अंडों या आम तौर पर मांसाहारी खाने से जुड़ी दो कहानियों में उलझ गई है। हाल के चुनावी अभियान के दौरान भी, खान-पान की आदतें एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई थीं। तब की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वोटरों को चेतावनी दी थी कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो वह मछली, मांस और अंडों पर रोक लगा देगी, उन्होंने बीजेपी शासित दूसरे राज्यों में ऐसी ही पाबंदियों का हवाला दिया था।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की नई सरकार ने इस हफ़्ते कोलकाता में स्कूल के मिड-डे मील मेन्यू से अंडे हटाने का फ़ैसला किया है। यह फ़ैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पिछले महीने ममता बनर्जी की टीएसी सरकार के 15 साल के शासन के खत्म होने के बाद से ही अंडे चर्चा का विषय बने हुए हैं। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पार्टी सचिव अभिषेक बनर्जी कोलकाता एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे थे, तो वहां हथियार लिए हुए बीजेपी का एक समर्थक मौजूद था।

चुनाव रैलियों में मांसाहारी खाना बना था मुद्दा

बंगाल में मांसाहारी खाने के गहरे सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनके दावों को अफवाह बताकर खारिज कर दिया और साफ तौर पर वादा किया कि मछली और अंडों के सेवन पर रोक नहीं लगाई जाएगी। वरिष्ठ बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर ने मछली खाते हुए अपना वीडियो भी बनवाया, और दूसरे नेताओं ने ज़ोर देकर कहा कि यह हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति के सम्मान का मामला है।

खाने की थाली से अंडे गायब

बीजेपी की जीत के बाद राज्य का पहला बजट पेश करते हुए, वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने 22 जून को घोषणा की कि प्राइमरी स्कूलों में मिड-डे मील के लिए सरकार की ओर से प्रति छात्र खर्च 6.78 से बढ़ाकर 10 किया जाएगा और हिंदू आध्यात्मिक संगठन इस्कॉन, अपने अन्नामित्र फाउंडेशन के ज़रिए, कोलकाता नगर निगम इलाके के स्कूलों में पका हुआ खाना सप्लाई करेगा। मौजूदा स्कीम के तहत हफ़्ते में एक बार परोसे जाने वाले अंडे, इस्कॉन के शाकाहारी खाने में शामिल नहीं होंगे। इस्कॉन कोलकाता के वाइस-प्रेसिडेंट राधा रमन दास ने कहा कि इसके बजाय छात्रों को पनीर, राजमा, सोया प्रोडक्ट, दालें और दूध से बनी चीज़ें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन एक मेन्यू के घूमने के बावजूद किसी भी फ़ाइनल मेन्यू को मंज़ूरी नहीं दी गई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, कृपया इस गलत जानकारी को शेयर करने से बचें।

हम गद्दार नहीं, दीदी के साथ : कुणाल घोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में अंदरूनी कलह के बीच, पार्टी विधायक कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता एकजुट हैं और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति वफादार हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में उत्तरी कोलकाता में हुई कार्यकर्ताओं की बैठक में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और ममता बनर्जी के समर्थन तथा पार्टी नेतृत्व के पक्ष में नारे लगाए गए। घोष ने कहा कि कल नॉर्थ कोलकाता में टीएमसी कार्यकर्ताओं की एक बैठक हुई। भारी बारिश के बावजूद हॉल खचाखच भरा था और बाहर भी कार्यकर्ता जमा हुए थे। नारा था- हम गद्दार नहीं हैं, हम दीदी के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने खुद टेलीफोन मैसेज के ज़रिए कार्यकर्ताओं से बात की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीएमएसी लोगों को परेशान करने के लिए झूठे केस का इस्तेमाल कर रही है, साथ ही कहा कि जो लोग पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतने के बाद पार्टी छोड़ते हैं, वे पार्टी के साथ धोखा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कहा कि बीजेपी बेबुनियाद और झूठे केस लगाकर लोगों को परेशान कर रही है, लेकिन टीएमसी इसका मुकाबला करेगी। जो लोग पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतने के बाद पार्टी छोड़ रहे हैं, वे धोखा दे रहे हैं, लेकिन असली ताकत वफादार कार्यकर्ताओं में है। ममता ने उन पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने निजी स्वार्थ के लिए पाला बदलने वालों की आलोचना की। उनका यह बयान पार्टी के अंदरूनी मतभेद के बीच आया है। दरअसल, रिताब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले एक बागी गुट ने ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस कमेटी के लिए एक नए नेतृत्व ढांचे के गठन की घोषणा की और अरूप रॉय को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया।

चंदे मामले की सुप्रीम कोर्ट से कराई जाए जांच : वेणुगोपाल

» कांग्रेस नेता बोले- बीजेपी-आरएसएस ने की हेरा-फेरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बीजेपी-आरएसएस पर अयोध्या में राम मंदिर के लिए दिए गए चंदे में हेराफेरी का आरोप लगाया और इस मामले की सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज की देखरेख में स्वतंत्र जांच की मांग की। वेणुगोपाल ने एक्स पर लिखा कि अयोध्या में राम मंदिर में दान की चोरी के खुलासे से हिंदू धर्म के तथाकथित रक्षकों की पोल खुल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि मंदिर के लिए दिया गया दान चोरी हो गया है, जिससे हिंदू हितों की रक्षा करने के आरएसएस-बीजेपी के दावों को कमज़ोर किया गया है।

उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने रजिस्टर्ड ट्रस्टों पर तो फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट के कड़े नियम लागू किए हैं, लेकिन आरएसएस जैसे अनरजिस्टर्ड ग्रुप्स को बिना किसी निगरानी के काम करने की छूट दे रखी है। वेणुगोपाल ने कहा कि अयोध्या का इस्तेमाल अपनी बांटने वाली राजनीति के लिए करने के बाद, बीजेपी-आरएसएस ने आम भक्तों के दान का पैसा लूटा और उनकी भावनाओं का पूरी तरह मज़ाक उड़ाया। एक तरफ तो बीजेपी कड़े नियमों के ज़रिए रजिस्टर्ड ट्रस्टों को कंट्रोल करना चाहती है, जबकि संघ जैसी पूरी तरह अनरजिस्टर्ड संस्थाएं हमारे देश के मंदिरों को लूटने-खसोटने के लिए आज़ाद हैं।

चंदे की चार किलो चांदी कहां है: राउत

» शिवसेना यूबीटी ने ट्रस्ट पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की ओर से दान की गई 4 किलो चांदी की ईंट के कथित तौर पर गायब होने पर सवाल उठाए। दान में गड़बड़ी की चल रही जांच के बीच उन्होंने मंदिर ट्रस्ट से जवाब मांगा। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने इस मामले की विस्तृत जांच और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। राउत के अनुसार, पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंदिर निर्माण के दौरान हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं और संतों की मौजूदगी में चांदी की ईंट के साथ 1 करोड़ रुपये का दान दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि इतने साल बीत जाने के बाद भी ट्रस्ट की ओर से दान के बारे में न तो कोई रसीद दी गई और न ही कोई जानकारी दी गई। राउत ने पोस्ट में कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शिवसेना की ओर से दान की गई 4 किलो चांदी की ईंट के गायब होने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उद्धव ठाकरे जी ने हजारों शिवसैनिकों और संतों की मौजूदगी में 1 करोड़ रुपये और चांदी की यह पवित्र ईंट दान की थी। फिर भी, इतने सालों बाद भी ट्रस्ट की ओर से कोई रसीद या जानकारी नहीं मिली है। यह ईंट कहां गई? अब पूरी जांच और जवाबदेही तय करने का समय आ गया है।

कॉन्ट्रैक्टरों और बिल्डरों को फायदा पहुंचा रही बीएमसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने बांद्रा वेस्ट में नेविल डिसूज़ा फुटबॉल ग्राउंड को कन्वेंशन सेंटर में बदलने के लिए बीएमसी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम से युवाओं को खेल के मैदान नहीं मिल पाएंगे और इससे कॉन्ट्रैक्टरों और बिल्डरों को फायदा होगा। एक्स पर एक पोस्ट में आदित्य ठाकरे ने लिखा, अगर आप सोच रहे हैं कि 1.4 अरब से ज्यादा आबादी होने के बावजूद भारत फीफा वर्ल्ड कप क्यों नहीं खेल रहा है, और हमारे सबसे छोटे शहरों से भी कम आबादी वाले देश क्यों खेल रहे हैं, तो सोचना बंद कर दीजिए। बीजेपी राज्य सरकार के आदेशों से समर्थित बीएमसी में बीजेपी सरकार ने अभी-अभी बांद्रा वेस्ट में नेविल डिसूज़ा फुटबॉल ग्राउंड को कन्वेंशन सेंटर के लिए रिज़र्व कर दिया है। एक कॉन्ट्रैक्टर को पैसे मिलेंगे, एक बिल्डर को लोकेशन का फ़ायदा मिलेगा और कन्वेंशन सेंटर को एक बीजेपी नेता का नाम मिलेगा।

ऑपरेशन सिंदूर में जवानों के बलिदान को सरकार ने छिपाया : सुप्रिया श्रीनेत

» भड़की कांग्रेस, कहा- लानत है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जवानों के बलिदान को छिपाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। दरअसल, पिछले साल 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कर्तव्य निर्वहन के समय वीरगति को प्राप्त हुए छह सैन्य कर्मियों के नाम राष्ट्रीय समर स्मारक पर अंकित किए गए हैं।

इन सैन्यकर्मियों में थलसेना के पांच और भारतीय वायुसेना के एक कर्मी का नाम शामिल है। मई 25 में भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से किए गए सैन्य अभियान के बाद यह पहली बार है, जब सरकार ने इन छह कर्मियों के नाम जारी किए हैं। जिसे लेकर सियासी घमासान तेज होने लगा है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र पर अटैक करते हुए कहा- लानत है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी का निराशाजनक आगाज

» आयरलैंड की भारत पर 34 रन से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलफास्ट। श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 34 रन से हराकर इतिहास रच दिया। टी20 विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ किसी भी प्रारूप में यह आयरलैंड की पहली जीत है। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआती ओवरों में मुकाबले पर मजबूत पकड़ बनाई, लेकिन कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी की शानदार पारियों ने आयरलैंड को वापसी कराई।

मेजबान टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत तेज रही, लेकिन विकेट लगातार गिरते रहे। संजू सैमसन, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर सस्ते में पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा ने अकेले संघर्ष करते हुए महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 20 गेंदों में 50 रन की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि अभिषेक के आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। तिलक वर्मा, शिवम दुबे और निचला क्रम बड़ी साझेदारी नहीं कर सका। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला भारत के नियमित टी20 कप्तान के रूप में पहला मैच था, लेकिन उनकी कप्तानी का आगाज हार के साथ हुआ। बल्लेबाजी में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल सके और टीम को जीत नहीं दिला पाए। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड को भारतीय तेज गेंदबाजों ने जल्द ही बैकफुट पर धकेल दिया। लेकिन इसके बाद कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी ने अहम साझेदारी करते हुए भारतीय गेंदबाजों पर दबाव कम किया। टकर ने 50 रन की कप्तानी पारी खेली, वहीं डेलानी 49 रन बनाए। अंत में जॉर्ज डॉकरेल ने सिर्फ 10 गेंदों में 19 रन की तेज पारी खेलकर टीम को 182 रन तक पहुंचाया। भारत की ओर से हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिए।

भारत के लिए मुश्किल है सेमीफाइनल की राह?

लंदन। भारतीय महिला टीम का सफर टी20 विश्व कप में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। भारत की अफ्रीका से हार ने सेमीफाइनल के समीकरण बिगाड़ दिए। भारतीय टीम ने हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर अपना नेट रन मजबूत रखा है और वह फिलहाल दक्षिण अफ्रीका से आगे ही चल रही है। भारत का सामना ग्रुप चरण के आखिरी मैच में रविवार को ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने चार मैचों के बाद छह-छह अंक हासिल किए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया आठ अंकों के साथ शीर्ष पर है। भारत का नेट रन रेट (+2.268) दक्षिण अफ्रीका (+0.734) से काफी बेहतर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (+4.724) इसमें भी बढ़त बनाए हुए है।

सोनिया गांधी के आर्टिकल पर मचा बवाल

गाजा पर भारत के स्टैंड को लेकर लिखा लेख, भड़की बीजेपी, बोली-विदेश नीति पर वोटबैंक की राजनीति, मोदी सरकार की चुप्पी पर कांग्रेस सांसद ने उठाये सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी के गाजा पर लिखे आर्टिकल को लेकर बवाल मच गया है। भाजपा इसपर भड़क गई है। और कांग्रेस पर वोट बैंक के लिए विदेश नीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। दरअसल सोनिया गांधी ने गाजा पर मोदी सरकार की चुप्पी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। एक आर्टिकल में उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अब फिलिस्तीन के अधिकारों पर अपनी पुरानी नीति से हटकर इजरायल के साथ करीबी रिश्तों को ज्यादा महत्व दे रहा है। उन्होंने कहा कि गाजा को लेकर भारत की मौजूदा नीति विदेश नीति सवाल खड़े करती है।

सोनिया गांधी ने आर्टिकल में लिखा कि गाजा में जारी संघर्ष ने भारी तबाही मचाई है, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गाजा में हालात बेहद गंभीर हैं और बड़ी संख्या में आम

नागरिक इसकी कीमत चुका रहे हैं। उनके अनुसार, 2० हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है और 44 हजार से ज्यादा बच्चे घायल हुए हैं।

भारत का नया स्टैंड, छवि को नुकसान पहुंचा सकता है : सोनिया गांधी

कांग्रेस नेता ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी आलोचना की और कहा कि लगातार बढ़ते सबूतों और कानूनी कार्रवाई के बावजूद दुनिया इस संघर्ष को रोकने में नाकाम रही है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि भारत सरकार भी इस मुद्दे पर लगभग चुप रही है और गाजा के आम लोगों की पीड़ा पर मजबूती से आवाज नहीं उठाई है। उन्होंने कहा कि भारत ऐतिहासिक रूप से फिलिस्तीन का समर्थक रहा है। ऐसे में इस नीति से पीछे हटना भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। उनके मुताबिक, लगातार चुप्पी नैतिक और रणनीतिक दोनों नजरिए से सही नहीं ठहराई जा सकती। उन्होंने केंद्र सरकार से फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थन में खुलकर बोलने की अपील की।

सोनिया गांधी गाजा पर बोलती हैं, लेकिन दूसरे मामलों में उनकी चुप्पी सवाल खड़े करती है : शहजाद पूनावाला

बीजेपी ने सोनिया गांधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी ने उन पर विदेश नीति के मुद्दे को वोट बैंक की राजनीति से जोड़ने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि भारत ने गाजा और फिलिस्तीन मुद्दे पर कई बार अपना रुख साफ किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में युद्ध विराम प्रस्तावों पर वोटिंग के जरिए अपनी स्थिति स्पष्ट की है और मानवीय सहायता भी भेजी है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा विदेश नीति से ज्यादा वोट बैंक की राजनीति करती रही है। उनके मुताबिक, कांग्रेस ने लंबे समय तक इज़राइल के साथ रिश्तों

को इसी वजह से मजबूत नहीं किया। शहजाद पूनावाला ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनिंदा मुद्दों पर ही आवाज उठाती है, उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी गाजा पर बोलती हैं, लेकिन दूसरे मामलों में उनकी चुप्पी सवाल खड़े करती है।

हर भारतीय की आवाज को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाना जारी रहेगा : राहुल गांधी

» कांग्रेस सांसद का नेता प्रतिपक्ष के रूप में 2 साल पूरे

» बोले- अभी लंबा सफर तय करना है, संघर्ष जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपने दो साल पूरे किए और सड़क से लेकर संसद तक हर लड़ाई लड़ने का वादा किया। उन्होंने नीट और संविधान की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर काम जारी रखने का संकल्प लिया।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने अपने कार्यकाल पर बात करते हुए कहा कि आज मुझे लोकसभा में विपक्ष का नेता बने हुए दो साल हो गए हैं। इन दो सालों का हर एक दिन एक ही काम के लिए समर्पित रहा है – हर भारतीय की आवाज़ को सत्ता के गलियारों तक पहुँचाना। जून 24 में आम चुनावों के बाद पद संभालने के साथ ही, राहुल गांधी की नियुक्ति ने लोकसभा के 16वें और 17वें सत्रों के दौरान

विपक्ष के नेता का पद खाली रहने के एक दशक लंबे दौर को खत्म कर दिया। संसदीय नियमों के अनुसार, इस पद के लिए किसी पार्टी के पास 543 सीटों में से कम से कम दसवां हिस्सा (यानी 55 सीटें) होना ज़रूरी है; कांग्रेस पार्टी ने 24 में 99 सीटें जीतकर इस ज़रूरी संख्या को पार कर लिया। यह पद 2००4 में राजनीति में आने के बाद से गांधी की पहली औपचारिक संवैधानिक भूमिका है। साथ ही, सोनिया गांधी और राजीव गांधी के बाद यह तीसरी बार है जब गांधी परिवार के किसी सदस्य ने यह पद संभाला है।

हर भारतीय की आवाज को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाना के लिए खड़ा हूं

उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों के लिए अपनी सक्रियता और चुनावी धांधली को उजागर करने की अपनी कोशिशों का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे नीट के छात्रों के लिए लड़ाई हो, चुनावी धांधली को बेनकाब करना हो या संविधान की रक्षा करना हो, मैं हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा रहा हूं, आज भी आपके साथ हूं और हमेशा रहूंगा। गांधी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जनता का समर्थन ही उनके काम की प्रेरणा रहा है कि सड़कों से लेकर संसद तक, आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। सफ़र लंबा है, लेकिन मेरा संकल्प वही है-मैं आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा।

अगले साल भारत के दौरे पर आएंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

» अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बताया प्लान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की कवायद तेज हो गई है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि ट्रंप भारत आने के लिए काफी उत्सुक हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का न्योता स्वीकार करने की इच्छा रखते हैं। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी संकेत दिए हैं कि ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा कर सकते हैं. ऐसे में माना जा रहा है कि ट्रेड डील और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के लिए यह दौरा काफी अहम हो सकता है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि फिलहाल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे की तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन वह खुद कुछ घंटे पहले ही ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ थे. गोर ने बताया कि बातचीत के दौरान ट्रंप ने खुद पूछा, मैं

भारत कब आ रहा हूं? इससे साफ है कि वह भारत आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. गोर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को भारत आने का निमंत्रण दिया है और उन्हें पूरा भरोसा है कि यह दौरा जरूर होगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका की कोशिश है कि राष्ट्रपति ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करें उन्होंने बताया कि वह खुद इस साल के अंत तक भारत आने की योजना बना रहे हैं, ताकि राष्ट्रपति के संभावित दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा सके।रुबियो ने कहा कि भारत अमेरिका का बेहद करीबी साझेदार है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मजबूत व्यक्तिगत रिश्ते दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत बनाते हैं।

राममंदिर मामले में लीपापोती नहीं पूरी जांच चाहिए : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस सांसद ने भाजपा सरकार को दिया अल्टीमेटम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अयोध्या राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी पर सवाल उठाए और 31 जनवरी, 26 को निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या ऐसी गड़बड़ियाँ सिर्फ़ निचले स्तर के कर्मचारी ही कर सकते हैं और ऊँचे स्तर के लोगों की मिलीभगत की ओर इशारा किया। उन्होंने लिखा कि यह सवाल भी अहम है- क्या सिर्फ़ निचले स्तर के कर्मचारी अपने दम पर सीसीटीवी कैमरे बंद कर सकते हैं और हज़ारों करोड़ के चढ़ावे में हेराफेरी कर सकते हैं, या इसके पीछे कुछ बड़े लोगों की मिलीभगत है? उन्होंने मामले को दबाने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी देते हुए निष्पक्ष जांच और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच के नाम पर लीपा-पोती करने के बजाय पारदर्शी जांच होनी चाहिए और चोरी की इस घटना में जो भी शामिल है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मंदिर के धार्मिक महत्व पर ज़ोर देते हुए, प्रियंका गांधी ने इस कथित अपराध को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सत्य और धर्म का पालन करने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और उनके करोड़ों भक्तों की आस्था के साथ धोखाधड़ी से की गई चोरी और लूट की घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है।

मिडिल ईस्ट में फिर भड़का तनाव

ईरान फिर अमेरिका पर बिफरा, अमेरिका ने मिसाइल-ड्रोन साइट्स पर किया अटैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक कारोबारी जहाज पर ड्रोन हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर जवाबी हवाई हमला किया। इस कार्रवाई के तुरंत बाद ईरान का पहला रिएक्शन सामने आया है।

ईरानी सांसद इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बातचीत के बीच हमला कर अमेरिका ने साबित कर दिया है कि उसे न वार्ता की परवाह है और न ही युद्धविराम की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि 25 जून को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ओमान के तट के पास गुजर रहे सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी एवर लवली पर एकतरफा हमलावर ड्रोन से हमला किया गया था। इसी के जवाब में 26 जून को अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करते हुए कई ठिकानों को निशाना बनाया।

असफल अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर दिखाई अपनी मंशा : अजीजी

ईरानी सांसद इब्राहिम अजीजी ने सोशल मीडिया पर लिखा, अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के

बीच ईरान पर हमला किया। असफल अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिखा दिया है कि उसे बातचीत के सिद्धांतों या सीजफायर के प्रति कोई प्रतिबद्धता नहीं है। युद्धविराम का यह लापरवाह उल्लंघन हमेशा की तरह अंत में अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछताने की वजह बनेगा। अब ब्लेम गेम नहीं चलेगा।

मिसाइल, ड्रोन और रडार ठिकानों पर एयरस्ट्राइक

अमेरिकी सेना के अनुसार, जवाबी कार्रवाई में ईरान के मिसाइल और ड्रोन भंडारण केंद्रों के अलावा तटीय रडार ठिकानों पर भी हवाई हमले किए गए। CENTCOM ने दावा किया कि व्यावसायिक जहाज पर हमला पूरी तरह अनुचित था और यह युद्धविराम समझौते का साफ उल्लंघन है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा